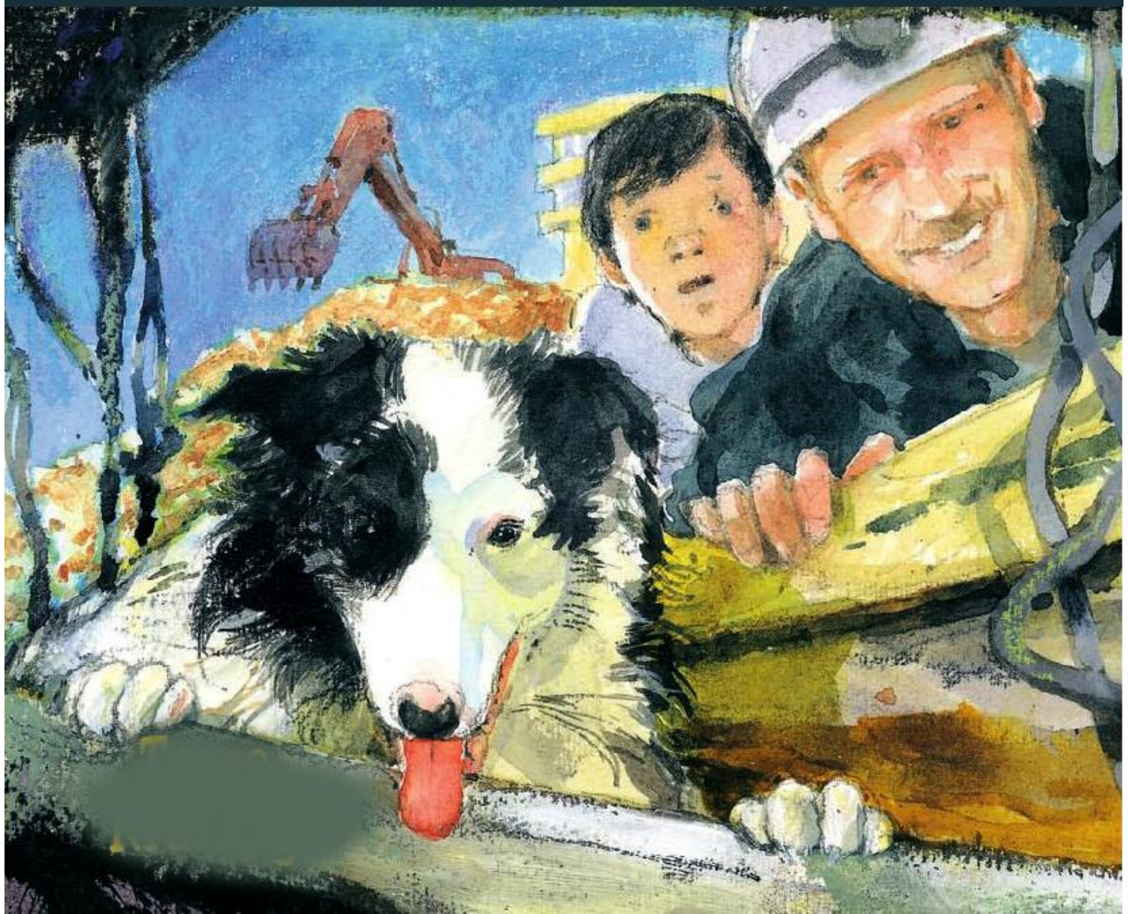
केली
बचाने वाला कुत्ता

टेसा क्रेलिंग

चित्र: टोनी मॉरिस



केली

बचाने वाला कुत्ता

टेसा क्रेलिंग

चित्र: टोनी मॉरिस



भूकंप का कहर:
कई लोगों के ज़िंदा दफ़न होने की आशंका

17 अगस्त 1999 को, सुबह 3 बजे, पश्चिमी तुर्की में एक भयानक भूकंप आया. यह 20वीं सदी के सबसे बड़े भूकंपों में से एक था, जिसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 7.4 मापी गई.

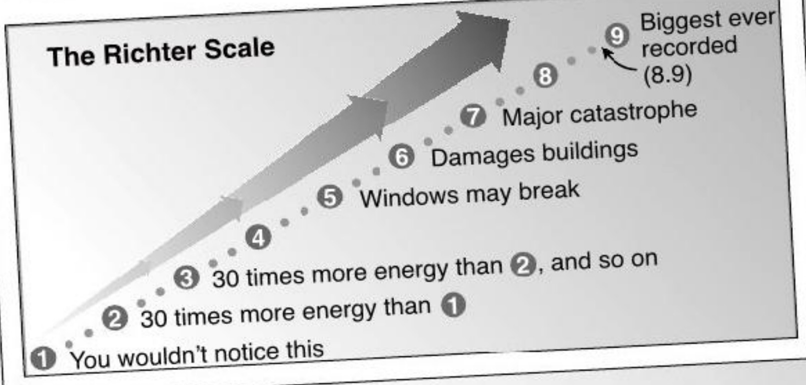
इसकी शुरुआत गरज जैसी हल्की गड़गड़ाहट से हुई. जल्द ही यह गड़गड़ाहट एक गर्जना में बदल गई. ज़मीन हिलने लगी और सड़कों पर गहरी दरारें पड़ गईं. विशाल इमारतें ढह गईं, जिससे हवा में धूल के बादल छा गए. कुछ ही सेकंड में इज़्मत शहर एक खंडहर में तब्दील हो गया. कुछ लोग किसी तरह बच निकलने में कामयाब रहे और अपने घरों से भाग गए. कुछ लोग इतने भाग्यशाली नहीं थे.

अगले कुछ घंटों में भूकंप में बचे लोगों की तलाश में दुनिया भर से बचाव दल पहुँचे. यह कहानी ब्रिटेन से आई एक ऐसी ही टीम और केली नाम के एक बेहद ख़ास कुत्ते की है.

पश्चिमी तुर्की

WESTERN TURKEY





अध्याय

1

ज़िंदा दफ़न

"पापा," तारिक ने फुसफुसाया. "क्या आप जाग रहे हैं?"

उमर कराह उठा और उसने आँखें खोलीं. "बोलो, क्या बात है, बेटा?"

"मुझे नींद नहीं आ रही है," तारिक ने कहा. "बहुत गर्मी है. लगता है कि तूफ़ान आएगा."

"तुम सही हो सकते हो," उमर ने कहा. "सारे दिन ऐसा लगा जैसे आज कुछ होगा. अब जाकर वापस सो जाओ, तुम एक अच्छे लड़के हो."





तारिक ने अपना सिर हिलाया. "मैं नीचे जा रहा हूँ जहाँ ठंडक है. आप भी मेरे साथ क्यों नहीं आते?"

उमर ने नींद से भरी जम्हाई ली. "नहीं, मैं यहीं रहूँगा."

तारिक सीढ़ियों पर रेंगता हुआ चला गया. वो और उसके पिता घर में अकेले थे. उसकी माँ और बहन अंकारा में रिश्तेदारों से मिलने गई थीं. वह सीढ़ियों से उतरकर रसोई में गया और फर्श पर लेट गया. टाइलें सख्त थीं, लेकिन बहुत ठंडी थीं. आखिरकार उसे नींद आ गई.



अचानक वह चौंककर जाग उठा. दूर से उसे बिजली की गड़गड़ाहट जैसी एक गर्जना सुनाई दी. ऐसा लग रहा था कि वह और करीब आ रही हो. जैसा कि उन्होंने सोचा था, तुरंत तूफान आ गया.

लेकिन यह कोई साधारण तूफान नहीं था. कुछ ही सेकंड में पूरा घर हिलने लगा. चीनी मिट्टी के बर्तन खड़खड़ाकर अलमारियों से नीचे धड़ाम से गिर पड़े. तारिक को अपने नीचे फर्श हिलता हुआ महसूस हुआ. आखिर यह हो क्या रहा था?

वह उछलकर खड़ा हुआ और उसने लाइट जलाने की कोशिश की. लाइट नहीं जली. वह पिछले दरवाज़े की ओर बढ़ा, लेकिन जैसे ही वह वहाँ पहुँचा, ज़ोर से चटकने की आवाज़ आई. अगले ही पल ईंटों का ढेर उसके चारों ओर गिर पड़ा. हवा में एक भयानक घुटन भरी गंध भर गई.

आखिरकार धूल छँट गई. तारिक यह देखकर हैरान रह गया कि वह अभी भी ज़िंदा था. दरवाज़े के ढाँचे ने उसे बचाया था. उसने पुकारा, "पापा? पापा, क्या आप ठीक हैं?"

लेकिन उसे कोई जवाब नहीं मिला.





इज़्मत में आए भूकंप ने कई इमारतें नष्ट कर दीं और कई लोगों की जान ले ली.

तारिक लड़खड़ाते हुए सीढ़ियों की ओर लौटा - या यूँ कहें कि जहाँ कभी सीढ़ियाँ हुआ करती थीं.

अब वहाँ मलबे के ढेर के अलावा कुछ नहीं बचा था. एक भयानक डर ने उसे जकड़ लिया. "पापा? पापा, आप कहाँ हैं?" उसने फिर पुकारा.

हवा में एक अजीब, खाली सन्नाटा छा गया.

भूकंप की खबर तेज़ी से फैल गई. इंग्लैंड में साइमन गिलमैन को इसके बारे में पता चला और उन्होंने तुरंत अपना सामान पैक करना शुरू कर दिया. उन्होंने एक तंबू, एक स्लीपिंग बैग, एक खाना पकाने का चूल्हा – और ढेर सारा कुत्ते का खाना पैक किया. क्योंकि साइमन अकेले यात्रा नहीं कर रहे थे.



स्वयंसेवक साइमन गिलमैन



केली एक वेल्श बॉर्डर कॉली कुत्ता है

"केली! केली!" उसने पुकारा. "इधर आओ, प्यारी बच्ची. अब हमें काम पर जाना है."

छह साल की बॉर्डर कॉली केली, दौड़ती हुई उसके पास आई. साइमन उसके चमकदार सिर को सहलाने के लिए नीचे झुका.

"यह आसान काम नहीं होगा," उसने केली को चेतावनी दी. "लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ करेंगे - है ना, प्यारी बच्ची?"

केली उत्सुकता से अपनी पूँछ हिलाते हुए उसकी ओर मुस्कुराई . वह एक प्रशिक्षित खोजी और बचाव कुत्ता थी. उसका काम मलबे या कीचड़ में दबे लोगों को ढूँढ़ना था. साथ मिलकर, वह और साइमन एक शानदार टीम बनाते थे.

लेकिन यह मुश्किल और थका देने वाला काम होगा. और कौन जानता था कि तुर्की शहर के खंडहरों में उनके लिए क्या-क्या खतरे इंतज़ार कर रहे होंगे?



अध्याय

2

जादुई शब्द

पिक-अप ट्रक उबड़-खाबड़ रास्ते से लड़खड़ाते हुए एक चिकनी सड़क पर आ गया. केली ने खिड़की से बाहर देखा. वे घंटों से सफ़र कर रहे थे और अब अपने घर से काफ़ी दूर थे. लेकिन वह डरी नहीं. जब तक वह साइमन के साथ थी, उसे कभी डर नहीं लगा.

एक लंबी यात्रा के अंत के करीब?

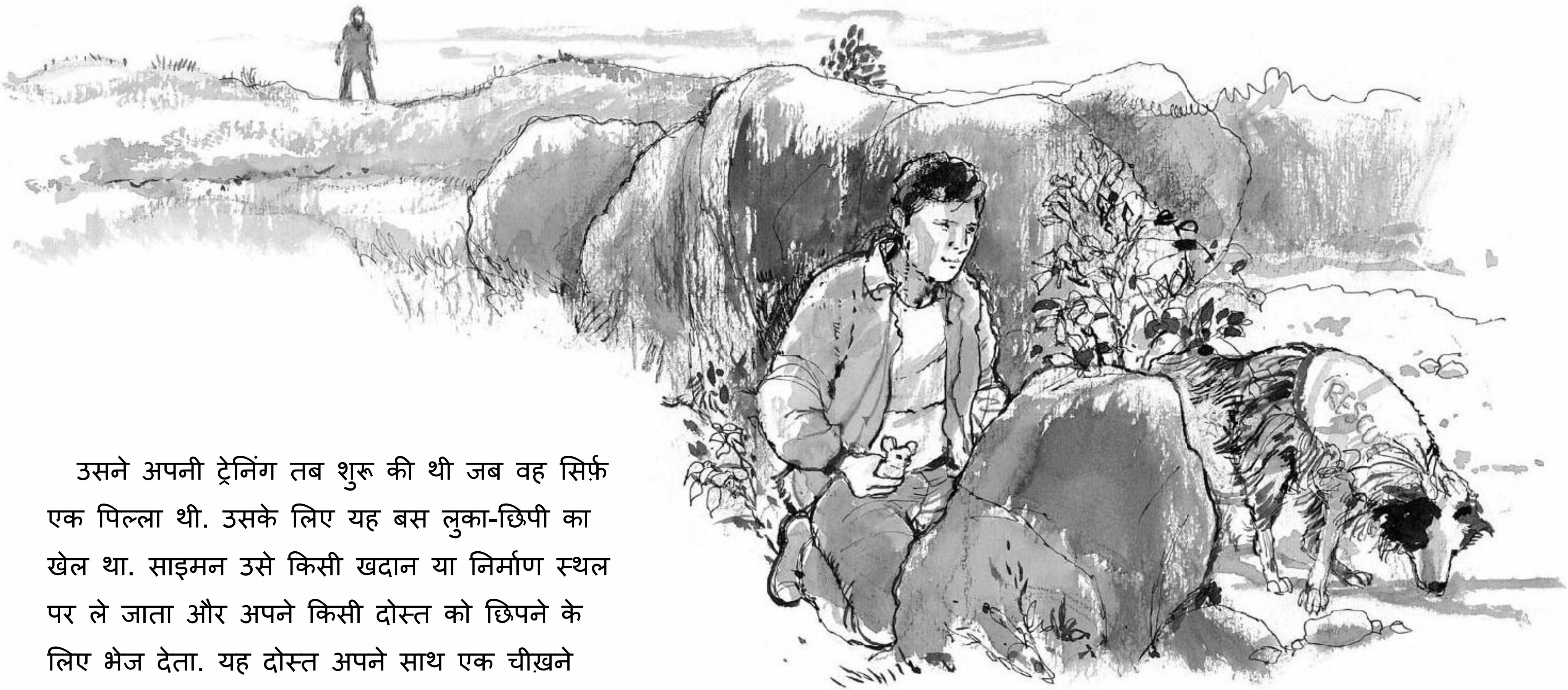


केली ने मुड़कर साइमन की तरफ देखा, जो ट्रक के पिछले हिस्से में उसके बगल में दबा बैठा था. उसने उसे आश्वस्त करते हुए मुस्कुराया. "अब ज़्यादा देर नहीं लगेगी, बेटी. हम जल्द ही वहाँ पहुँच जाएंगे."

जल्द ही कहाँ पहुँचेंगे?

केली उसकी आवाज़ से समझ गई कि उनका सफ़र अहम था. यह कोई छुट्टी नहीं थी: वे वहाँ काम करने आए थे. लेकिन यह उसे ठीक लगा. केली को काम करने से ज़्यादा किसी और चीज़ में मज़ा नहीं आता था. वे जहाँ भी जा रहे थे, वह वहाँ पहुँचने के लिए बेताब थी.





उसने अपनी ट्रेनिंग तब शुरू की थी जब वह सिर्फ़ एक पिल्ला थी. उसके लिए यह बस लुका-छिपी का खेल था. साइमन उसे किसी खदान या निर्माण स्थल पर ले जाता और अपने किसी दोस्त को छिपने के लिए भेज देता. यह दोस्त अपने साथ एक चीख़ने वाला खिलौना ले जाता. जैसे ही केली "चीख़ने!" की आवाज़ सुनती, वह खिलौने की तलाश में दौड़ पड़ती. जब उसे वह खिलौना मिल जाता, तो वह भौंककर साइमन को बताती कि वह कितनी होशियार है. ओह, यह कितना शानदार खेल था! केली को लुका-छिपी खेलना बहुत पसंद था.

लेकिन अब वे पश्चिमी तुर्की आ गए थे और यह अब कोई खेल नहीं था. वह किसी चीख़ने वाले खिलौने की तलाश में नहीं थी. यहां पर वह बचाव की ज़रूरत वाले असली ज़िंदा लोगों की तलाश में थी.

पिक-अप अचानक रुक गया. "हम आ गए," साइमन ने कहा.

उसने दरवाज़ा खोला और बाहर कूद गया. केली उसके पीछे गई. दोनों साथ खड़े होकर खंडहर हो चुके शहर को देख रहे थे. उन्हें बस कंक्रीट और मुड़ी धातु का एक बड़ा ढेर दिखाई दे रहा था. यकीन करना मुश्किल था कि कभी लोग इस जगह पर रहते और काम करते थे. अब ऐसा लग रहा था मानो किसी विशाल बम ने उसे तहस-नहस कर दिया हो.



भूकंप के बाद का इज़्मत शहर.



पहली चीज़ जो उन्होंने महसूस की, वह थी गर्मी. हालाँकि सुबह का समय था, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे वे किसी गर्म भट्टी में कदम रख रहे हों. और हवा में एक भयानक गंध थी. साइमन ने जल्दी से अपना मास्क लेकर उसे अपने चेहरे पर पहन लिया.

केली ने अपनी पूँछ हिलाते हुए उसकी ओर देखा. वह अपना काम शुरू करने के लिए अधीर थी. लेकिन वह उससे क्या करवाना चाहता था?

"पहले हमें पता लगाना होगा कि हमारी ज़रूरत कहाँ है," साइमन ने उससे कहा.



लोग पहले ही मलबे के पार उनकी ओर बढ़ रहे थे. उन्होंने पिकअप ट्रक को आते देखा था. क्या यह कोई ऐसा व्यक्ति हो सकता है जो उनके लापता दोस्तों या रिश्तेदारों को ढूँढ़ने में उनकी मदद करेगा?



सबसे पहले उनके पास पहुँचने वाला एक छोटा लड़का था. उसने साइमन का हाथ पकड़ लिया और बार-बार एक ही शब्द दोहरा रहा था. "बाबा, बाबा, बाबा."



"माफ़ करना, मैं समझ नहीं पा रहा हूँ कि तुम क्या कह रहे हो." साइमन ने अपने कंधे के ऊपर से ट्रक से उतर रहे एक आदमी को देखा. "अली! इधर आओ - जल्दी करो."

अली उनका दुभाषिया था. जैसे ही लड़के को एहसास हुआ कि अली तुर्की भाषा बोल सकता है, वह तेज़ी से और तेज़ी से बोलने लगा. अली सुनता रहा, कभी सिर हिलाता, कभी हाथ हिलाता.

"वह क्या कह रहा है?" साइमन ने पूछा.

"बाबा तुर्की में 'पिता' के लिए इस्तेमाल होने वाला शब्द है," अली ने कहा. "लगता है लड़का नीचे सोया था, लेकिन उसके पिता ऊपर ही रह गए. अब वह उन्हें ढूंढ नहीं पा रहा है."

"घर कहाँ है?" साइमन ने पूछा.



अली ने लड़के से बात की, जिसने मलबे की ओर इशारा किया. वहाँ घर या किसी और इमारत जैसा कुछ भी नहीं बचा था. क्या यह संभव था कि उस सारे मलबे के नीचे कोई अभी भी कोई ज़िंदा हो?

लड़के ने फिर साइमन का हाथ पकड़ लिया.

"बाबा," उसने फिर कहा. "बाबा."

साइमन अली की ओर मुड़ा. "लड़के का नाम क्या है?"

"तारिक. वह कहता है कि उसके पिता का नाम उमर है."

साइमन ने लड़के को आश्वस्त करते हुए सिर हिलाया. "चिंता मत करो, तारिक. अगर तुम्हारे पिता ज़िंदा हैं तो हम उन्हें ढूँढ़ लेंगे."

साइमन ने केली के सिर पर एक चटख पीले रंग की जैकेट डाल दी. उस पर दोनों तरफ बड़े-बड़े अक्षरों में "बचाव" लिखा था. जैकेट से सबको पता चल गया था कि केली एक प्रशिक्षित खोजी और बचाव कुत्ता था जिसे एक ज़रूरी काम करना था. आखिरकार उसके पैरों में छोटे-छोटे जूते पहनाए गए ताकि वे गर्म पत्थरों से बच सकें.



इतनी तबाही के बीच क्या कोई ज़िंदा हो सकता था?

इन सब बातों से केली को एहसास हुआ कि अब काम शुरू करने का समय आ गया था. वह साइमन की तरफ़ देख रही थी, उसके जादुई शब्द कहने का इंतज़ार कर रही थी.



अध्याय

3

लुका-छिपी का खेल



"ढूँढो!" साइमन ने कहा.

बस! यही जादुई शब्द था. केली तेज़ी से मलबे के बीच से निकल पड़ी. हल्की और दृढ़ चाल से, वह उन इमारतों को ढूँढ़ सकती थी जो किसी इंसान के वज़न से ढह सकती थीं. और उसकी सूंघने की शक्ति भी कमाल की थी. अगर मलबे के नीचे कोई ज़िंदा इंसान दबा होता, तो केली तुरंत उसकी गंध पहचान लेती.

साइमन उसके पट्टे से बंधी एक लंबी रस्सी पकड़े हुए उसके पीछे-पीछे चल पड़ा. "सावधान, बेटी," उसने रस्सी खींचते हुए चेतावनी दी. "ज़्यादा तेज़ी मत करो."

केली ने अपनी गति धीमी कर दी. थोड़ी दूर जाने के बाद वह रुकी और उसने साइमन की तरफ़ देखा, "आगे बढ़ो, बेटी," उसने कहा. "खोजो"



केली काम पर लग गई.

केली ने अपना सिर उठाया और हवा सूँघी. वह उससे क्या ढूँढ़वाना चाहता था? बेशक, एक इंसान. इस लुका-छिपी के खेल का असली मकसद यही था. लेकिन उसे कहाँ देखना चाहिए था?



उसने फिर सूंघा. वह जगह गंधों से भरी थी, ज़्यादातर भयानक. लेकिन वह सिर्फ़ एक गंध ढूँढ़ना चाहती थी - इंसानी साँसों की खुशबू. इससे उसे पता चलता कि खंडहरों के नीचे अभी भी कोई ज़िंदा है. लेकिन यह आसान नहीं होगा. यह काम कभी आसान नहीं होता.

साइमन उसे गौर से देख रहा था. वह उसके भौंकने का इंतज़ार कर रहा था. अगर उसे कुछ मिलता तो उसे यही संकेत देने के लिए प्रशिक्षित किया गया था. लेकिन केली भौंकी नहीं. इसके बजाय वह उस जगह से पीछे हट गई जहाँ वहां वो खड़ी रही. वहाँ समय बर्बाद करने से कोई फायदा नहीं. वहां इंसानी साँसों की कोई गंध नहीं थी. वह दाईं ओर मुड़ी और फिर से शुरू हुई.





बीस मिनट तक वह खोजती रही. बहुत तेज़ गर्मी थी. जल्द ही उसकी नाक और आँखें धूल से भर गईं और वह ज़ोर-ज़ोर से हाँफने लगी. लेकिन उसने हार नहीं मानी. खेल खत्म होने तक उसने हार नहीं मानी.

"केली, रुको!" साइमन ने पुकारा. "विश्राम का समय हो गया है. इधर आओ."

थकी हुई वह लंगड़ाते हुए उसकी ओर बढ़ी. साइमन ने दुभाषिए को आवाज़ दी. "अली! क्या तुम हमारे लिए एयर-कंडीशनिंग वाली गाड़ी ढूंढ सकते हो?" केली को कुछ देर ठंडक चाहिए."

अली को एक रेंज रोवर मिली और उसने ड्राइवर से इंजन स्टार्ट करने को कहा. दस मिनट तक वे अंदर बैठे रहे, और ठंडी हवा का आनंद लेते रहे. जल्द ही केली की हालत में सुधार होने लगा. लेकिन वे ज़्यादा देर आराम नहीं कर सकते थे. क्योंकि बाहर, लड़का तारिक उन्हें बेचैन निगाहों से देख रहा था. वह उनकी तलाश जारी रखने का इंतज़ार कर रहा था. वे गाड़ी से बाहर निकले और खंडहरों की ओर वापस चल दिए.





केली फिर से मलबे के ऊपर चल पड़ी. वह सूँघती रही, उसकी तेज़ नाक किसी ज़िंदा शरीर की हल्की-सी गंध ढूँढ़ रही थी. उसकी पूँछ एक पल के लिए भी हिलने से नहीं रुकी. साइमन उसे झंडे की तरह लहराते हुए देख सकता था. इससे उसे पता चल गया कि वह अभी भी काम कर रही है - कि उसने अभी हार नहीं मानी है.

अचानक वह रुक गई, छत की टाइलों के ढेर पर संतुलन बनाते हुए. उसकी नाक काँप उठी.

वह कैसी गंध थी?



वह बहुत हल्की थी... लेकिन हाँ, वह फिर से थी! वहाँ ज़रूर कुछ था...

उसने अँधेरे में झाँका, लेकिन उसे कुछ दिखाई नहीं दिया. फिर भी उसकी नाक बता रही थी उसे इस बात का यकीन हो गया कि वह सही थी. उसके नीचे कंक्रीट के उलझे हुए ढेर में कुछ, कोई - पड़ा था. और वे साँस ले रहा था, चाहे वे कोई भी हो.

लुका-छिपी का खेल खत्म हो गया था. उसे वह मिल गया था जिसकी उसे तलाश थी - एक ज़िंदा इंसान. ओह, वह साइमन को बताने के लिए बेताब थी! उसे तुरंत उसे इशारा देना होगा.

केली ने अपना सिर उठाया और भौंकने लगी.

अध्याय

4

बचाव!



मलबे के नीचे लेटे उमर को भौंकने की आवाज़ सुनाई दी. उसने आँखें खोलीं और ध्यान से सुना. कोई आवारा कुत्ता होगा, जो खंडहरों में खाना ढूँढ़ रहा होगा. एक-दो बार उसे लगा कि उसने तारिक की आवाज़ भी सुनी, लेकिन जवाब देने की उसमें हिम्मत नहीं थी. उसके पैरों पर एक भारी बोझ पड़ा था, जिससे हिलना-डुलना नामुमकिन था. उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह कब से वहाँ पड़ा था. ऐसा लग रहा था जैसे कई दिन हो गए हों. उसने लगभग उम्मीद छोड़ दी थी.

कुत्ता फिर से भौंका. उमर ने अपने होंठ गीले कर लिए. वह फटी आवाज़ में चिल्लाया, "बचाओ! बचाओ, मैं यहाँ नीचे हूँ!"

एक आदमी की आवाज़ ने कुछ ऐसी भाषा में पुकारा जो उसे समझ नहीं आई. कुछ ही देर बाद उसने अपने सिर के ऊपर से आवाज़ें सुनीं - मिट्टी और चिनाई के हिलने की भयावह आवाज़ें. ऐसा लग रहा था जैसे वे किसी भारी उठाने वाले उपकरण का इस्तेमाल कर रहे हों. उमर ने अपनी आँखें बंद कर लीं, इस डर से कि कहीं और मलबा उसके ऊपर न गिर जाए.

ईंटें और पत्थर हटाते समय बहुत सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि इमारत का कोई और हिस्सा भी गिर सकता है.





तभी अचानक उसे दिन का उजाला दिखाई दिया. लोग उसे घूर रहे थे. किसी ने तुर्की भाषा में कहा: "चुप रहो. हम तुम्हें जल्द ही वहाँ से निकाल लेंगे."

आखिरकार उसके पैरों से भारी बोझ उतर गया. लेकिन वह उन्हें हिला नहीं पा रहा था. ऐसा लग रहा था जैसे उसकी सारी संवेदना खत्म हो गई हो.

धीरे-धीरे, सावधानी से, उमर को बाहर निकाला गया और स्ट्रेचर पर लिटाया गया. दर्द इतना ज़्यादा था कि वह लगभग बेहोश हो गया था, लेकिन तभी उसने अपने बेटे की आवाज़ सुनी: "पापा! पापा, चिंता मत करो - अब आप बिल्कुल सुरक्षित हो. हम आपको अस्पताल ले जा रहे हैं."

उसने आँखें खोलीं. "नमस्ते, तारिक," उसने कमज़ोर आवाज़ कहा.



"कुत्ते ने आपको ढूँढ़ निकाला," तारिक ने उससे कहा. "उसने आपकी जान बचाई."

उमर को कुछ समझ नहीं आ रहा था. वह थका हुआ और काफी उलझन में था. "तुम्हारी माँ चिंतित होंगी..."



"मैं उन्हें बता दूँगा कि हम दोनों ठीक हैं. मैं रेडियो पर उन्हें संदेश भेज दूँगा," तारिक ने वादा किया.

"अच्छा बेटा." उमर ने अपने बेटे का हाथ पकड़ लिया.

जैसे ही वे उमर को एम्बुलेंस में ले जा रहे थे, उसकी नज़र एक कुत्ते पर पड़ी जिसने चटख पीले रंग की जैकेट पहनी हुई थी. अजीब बात है, उसे कुत्ते कभी भी पसंद नहीं थे. लेकिन कितना अजीब था कि आज एक कुत्ते ने उसकी जान बचाई...

जब एम्बुलेंस उम्र को ले जा रही थी, तो थके होने के कारण उसने अपनी आँखें बंद कर लीं.





केली थकी हुई थी और उसके शरीर पर मोटी धूसर धूल जमी हुई थी. साइमन उसे पास के एक पानी के टैंकर के पास ले गया और उस पर साफ़, ठंडा पानी डाला. उसने ज़ोर से खुद को हिलाया, जिससे साइमन पर भी पानी के छींटे पड़ गए. लेकिन साइमन को भीगने की कोई फ़िक्र नहीं थी. उसे बस इस बात की राहत थी कि वह सुरक्षित था.

"शाबाश, प्यारी बच्ची," उसने कहा. "मुझे तुम पर बहुत-बहुत गर्व है."

केली ने अपनी पूँछ हिलाते हुए उसकी ओर देखा. उसे भी गर्व महसूस हुआ. आखिरकार, उसने अपना पसंदीदा खेल खेला था - और उसमें वो जीत भी गई!



साइमन और केली - बचाव कुत्ता

कहानी की पृष्ठभूमि

यह कहानी एक वास्तविक बचाव काम पर आधारित है. तारिक कोई वास्तविक पात्र नहीं है, लेकिन उसके साथ जो हुआ वह रैपिड यूके द्वारा किए गए बचाव अभियानों का एक विशिष्ट उदाहरण है.

जैसा कि आप तस्वीर में देख सकते हैं, साइमन और केली बिल्कुल असली हैं. वे दोनों रैपिड यूके, एक आपातकालीन बचाव चैरिटी के लिए काम करते थे. रैपिड यूके का मुख्यालय यूनाइटेड किंगडम में है, लेकिन दुनिया के अन्य हिस्सों में भी इसके कार्यालय हैं.



साइमन और केली काम पर



जेम्मा और केली दोनों खोजी और बचाव कुत्ते हैं.

दुर्भाग्य से, बचाव कुत्तों को यूके लौटने पर छह महीने के लिए क्वारंटाइन यानि बिलकुल अकेले स्थान में रहना पड़ता है. पालतू जानवरों के लिए पासपोर्ट योजना यूरोप के बाहर के उन क्षेत्रों को कवर नहीं करती जहाँ रैपिड यूके को अक्सर काम करना पड़ता है.

अगर आप रैपिड यूके के बारे में और जानना चाहते हैं, तो आप उनकी वेबसाइट www.rapidsar.org.uk पर जा सकते हैं.